वाणिज्य में स्नातक (जनरल)
बी. कॉम (जी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. जी. -171: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

सत्रीय कार्य
2024–25

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2024 से 30th जून 2025

पंचम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –**1100 68**

वाणिज्य में स्नातक जनरल (बी. कॉम. जी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. जी. -171: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

सत्रीय कार्य
2024–25

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । तीनों खंड अनिवार्य हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसंबर 2024 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें अक्टूबर 2024 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो जून 2025 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे उसको 15 मार्च 2025 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. जी. -171**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ.जी.-171/टी. एम. ए./2024- 25**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

खण्ड – क (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

1. उत्पादन संभावना वक्र की संकल्पना को स्पष्ट करें। उसकी मान्यताओं का उल्लेख करें तथा इसे किसी उदारहरण की मदद से प्रदर्शित करें। **(10)**

2. मांग अनुसूची और मांग वक्र की सहायता से मांग के नियम की व्याख्या करें। स्थानापत्ति और आय प्रभाव के बीच अंतर का उपयोग करके इसके अपवाद को भी समझाइए। **(10)**

3. पूर्णतया लोचदार, पूर्णतया बेलोचदार, इकाई लोच वाला , बेलोचदार और लोचदार पूर्ति वक्रों में भेद दिखाने के लिए चित्रों का प्रयोग कीजिए। **(10)**

4. स्थानापत्ति की सीमांत दर का क्या अर्थ है? X वस्तु की मात्रा में वृद्धि होने पर Y वस्तु के लिए X की स्थानापत्ति सीमांत दर क्यों गिरती है? **(10)**

5. अल्पकालीन औसत लागत वक्रों से दीर्घकालीन औसत लागत वक्र कैसे खींचते हैं? उपयुक्त चित्रों का प्रयोग कीजिये। **(10)**

खण्ड – ख (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक के हैं)

6. बाजार के स्वरूप को पहचानने में कौन सी विशेषताओं को ध्यान में रखना चाहिए। **(6)**

7. फर्म के संतुलन के लिए सीमांत लागत और सीमांत आय की समानता एक आवयश्क शर्त क्यों है? **(6)**

8. लाभ और ब्याज में अंतर बताइये। क्या यह कहना ठीक नहीं है कि पूंजीपति इन दोनों को उत्पादन प्रक्रिया में उनके द्वारा निवेश की गयी पूंजी पर अर्जित करते हैं। **(6)**

9. लाभ के विभिन्न स्रोत क्या है? क्या आप इस बात से सहमत है कि सभी लाभ उत्पादक कि एकाधिकारी व्यक्ति के कारण उत्पन्न होते है? **(6)**

10. कुल लागत पर कीमत निर्धारण सिद्धांत क्या है? इसके चलते इष्टतम उत्पादन से भी अधिक उत्पादन किस प्रकार हो पाता है? **(6)**

खण्ड – ग (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक के हैं)

11. कुल लागत पर कीमत निर्धारण सिद्धांत क्या है? इसके चलते इष्टतम उत्पादन से भी अधिक उत्पादन किस प्रकार हो पाता है? **(5)**

12. कीमत निर्धारित करते समय सरकारी हस्तक्षेप के विभिन्न साधनों को कैसे लागू किया जाता है **(5)**

13. उदाहरण सहित समझाइए कि पीछे की ओर झुका हुआ पूर्ति वक्र क्या है? **(5)**

14. कार्यात्मक वितरण की परिभाषा दीजिये और व्यक्तिगत वितरण से इसका भेद कीजिये। **(5)**